जनपद उत्तरकाशी में बौंगा से कियाणगांव मोटर मार्ग के निर्माण कार्य हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1- प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 भटवाड़ी के अन्तर्गत 2.125 कि0मी0 लम्बाई में बौंगा से कियाणगांव मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग भटवाड़ी के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक-- 12.06.2015 को सम्बन्धित कनिष्ठ अभियंता श्री विनोद चमोली के साथ निरीक्षण किया गया।

2- मा0 मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत विकास खण्ड भटवाड़ी में बौंगा से कियाणगांव तक 3.00 कि0मी0 लम्बाई में मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग के निर्माण हेतु खण्ड के द्वारा दो समरेखनों पर प्रारम्भिक सर्वेक्षण किया गया है। समरेखन संख्या एक में मार्ग के तीव्र ग्रेड, अधिक हेयर पिन बैण्ड्स एवं स्थानीय ग्रामवासियों की असहमति को देखते हुए प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 भटवाड़ी के द्वारा समरेखन संख्या दो के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। प्रस्तावित समरेखन बौंगा–भेलुड़ा मोटर मार्ग के कि0मी0 2 से हिलसाइड में आरम्भ होता है, तथा वास्तविक रूप से 2.125 कि0मी0 लम्बाई में कियाणगांव पहुंच कर समाप्त होता है। अधिकांश भाग में समरेखन 1:17 व 1:20 के राईज ग्रेड में है। अवगत कराया गया कि समरेखन अलग–अलग भाग में नाप भूमि, सिविल सोयम भूमि तथा वन भूमि से होकर गुजरता है। समरखेन क्षेत्र में क्वार्टजाईट चट्टान है, तथा स्थान–स्थान पर इसके ऊपर ओबदबर्डन मैटिरयल है। स्थल निरीक्षण के दिन समरेखन क्षेत्र में प्रथम दृष्टया कोई अस्थिरता संज्ञान में नहीं आई।

3- समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों का ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे हैं, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौड़ाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, जिस भाग में पहाड़ी ढलान तीव्र है, वां मार्ग का निर्माण हाफ कट–हाफ फिल टेक्नीक से कराया जा सकता है, किन्तु फिलिंग मैटेरियल की गुणवता एवं रिटेनिंग दीवार के डिजाइन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

(ख) मार्ग के आरम्भ में टेंक आंफ प्लाइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानीपूर्वक बनाया जायें।

(ग) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में सावधानी पूर्वक बनाये जायें।

(घ) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स को avoid किया जाना चाहिए।

(ङ) पहाड़ के एक ही ढलान पर बैण्ड्स होने के कारण मार्ग की अनेक आर्म्स एक दूसरे के ऊपर हो जायेगीं, ऐसे भाग में वर्षाकाल में मार्ग पर विशेष अनुरक्षण कार्यो की आवश्यकता हो सकती है।

(च) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(छ) जहाँ मार्ग कटान की ऊंचाई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, विशेष रूप से बैंड्स पर एवं आबादी वाले भाग में, मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(च) जहाँ आवश्यक हो, मार्ग से ऊपर व नीचे पहाड़ी ढलान पर समुचित पौधों का रोपण किया जाये जिससे ढलानो पर भूक्षरण की प्रकिया को नियन्त्रित रखा जा सके।

(छ) चट्टानी ढलान में blasting किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्टस सक्रिय हो सकते है। अतः जहां आवश्यक हो मार्ग कटान में नियन्त्रित ब्लास्टिंग की जायें।

(ज) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन, स्कपर एवं अन्य कांस ड्रेनेज वर्क्स का प्रावधान किया जायें।

(झ) कटिंग के दौरान निकले हुए मैटेरियल को पूर्व निर्धारित dumpyard में डाला जायें। खड्ड साईड में फेकने से भूक्षरण की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

(ञ) उपरोक्त के अतिरिक्त पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिए निर्धारित सिविल अभियान्त्रिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियों का भी पालन किया जायें।

4. बाँगा से कियाणगांव मोटर मार्ग निर्माण हेतु 2.125 कि0 मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणी:–

भूमि हस्तातरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है।

H. Kumar 4.7.15

(हर्ष कुमार)
वरि0 भूवैज्ञानिक (से0नि0)
लोक निर्माण विभाग
देहरादून